

कोवडि मुक्त गाँव परियोजना का शुभारंभ

चर्चा में क्यों?

हाल ही में स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों की एक नरिबाध, टिकाउ और एकीकृत मजबूती सुनिश्चिती करने के लिये छत्तीसगढ के जगदलपुर में जिला और राज्यस्तरीय अधिकारियों की भागीदारी के साथ एक 'राज्यस्तरीय प्री-लॉन्च' बैठक आयोजति की गई, जिसमें 'टीकाकरण-ऑनहवील्स' (वेक्सीनेशन ऑन हवील्स) वैन को भी हरी झंडी दखिाकर रवाना कथिा, जो दूर-दराज के स्थानों में कोवडि-19 टीकाकरण, नयितिा टीकाकरण और अन्य प्राथमकि स्तर की दैनकि सुवधिाएँ प्रदान करेगी।

प्रमुख बडि

- गौरतलब है कि चाइल्डफंड इंडिया ने भारत के तीन राज्यों- झारखंड, राजस्थान और छत्तीसगढ में 'कोवडि मुक्त गाँव' नामक एक बडे पैमाने पर परियोजना शुरू करने की घोषणा की।
- समृद्ध के समर्थन के साथ, चाइल्डफंड का उद्देश्य एक स्थाई नेटवर्क देखभाल मॉडल स्थापति करना है, ताका गुणवत्ता सस्ती स्वास्थ्य सेवाओं तक बेहतर पहुँच सुनिश्चिती हो सके।
- बुनयिादी स्वास्थ्य सेवाएँ, उपकरण और बच्चों के अनुकूल देखभाल (बाल चकित्सिा सेवाएँ) प्रदान करने के लिये 'कोवडि मुक्त गाँव' परियोजना का समर्थन कथिा जा रहा है। नजिी कषेत्र की भागीदारी के माध्यम से, टेलीमेडिसिनि सेवाओं, स्वास्थ्य आउटरीच वाहनों और शविर्शों के साथ प्रयास को बढाया जाएगा।
- गौरतलब है कि भारत में चाइल्डफंड () देश में वंचति बच्चों की आवाज का प्रतिनिधित्व कर रहा है, जिसका मुख्य कार्यालय बंगलुरु में स्थति है और दल्लिी में प्रोग्राम ऑफिसि है, जो चाइल्डफंड इंडिया का पंजीकृत कार्यालय भी है।
- भारत में चाइल्डफंड 15 राज्यों के 85 जिलों में काम करता है। लंबी अवधि की साझेदारी और प्रत्यक्ष कार्यान्वयन के माध्यम से यह सालाना 3200 समुदायों/गाँवों के लगभग 3 मलियन बच्चों, युवाओं और उनके परिवारों तक पहुँचता है।